

Chap (11) ALCOHOL PHENOL, ETHER

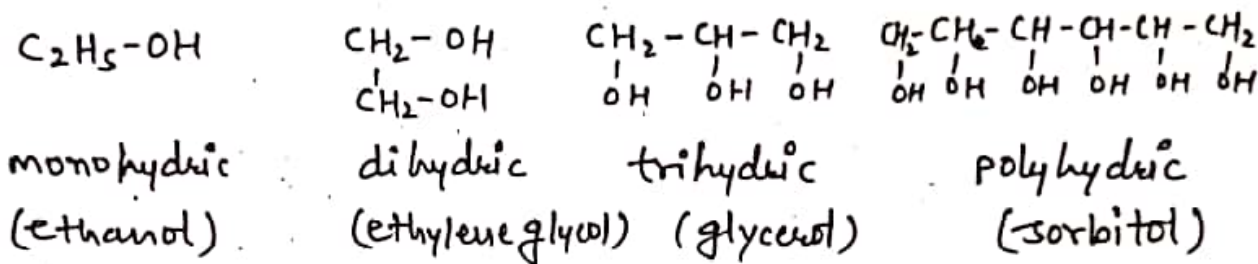
# R-OH, Ar-OH, R-O-R oxygen containing FG Compounds

# R-OH R- alkyl Ar-OH Ar- aryl/phenyl  
-OH alcohol -OH alcohol

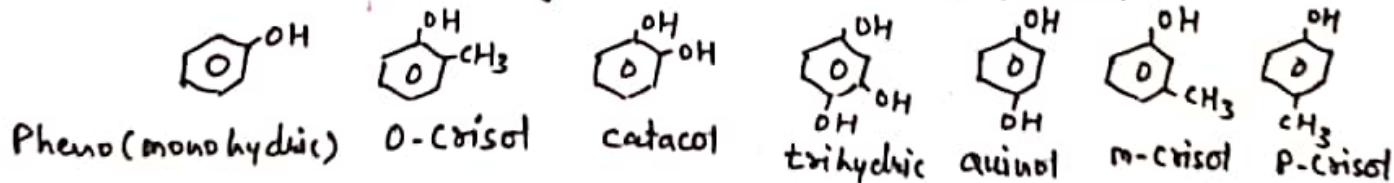
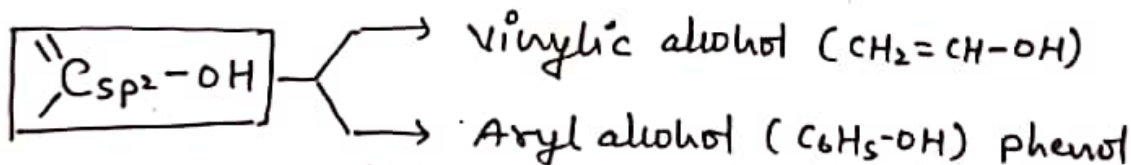
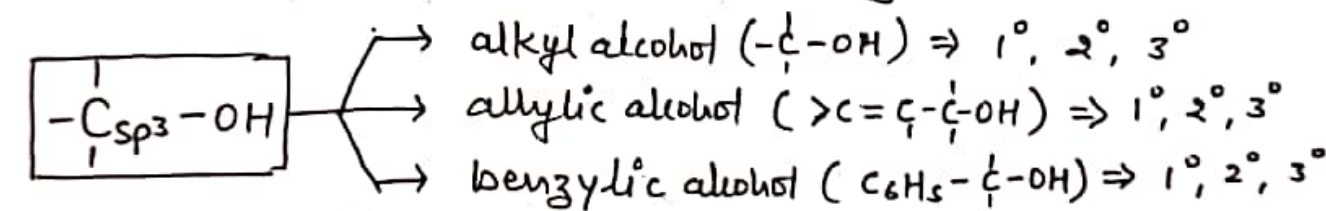
# R-O-R R- alkyl, -OR: alkoxy ~~Ar-aryl/phenyl~~

"Classification/वर्गीकरण"

(A) -OH group की संख्यानुसार - [-OH = hydroic]



(B) C-OH बन्ध में C के संकरण अनुसार-



# Ethers: सरल ईथर / सममित ईथर :  $R-O-R'$   $R=R'$   
मिश्रित / असममित ईथर :  $R-O-R'$   $R \neq R'$

EX:  $CH_3-O-CH_3$ ,  $C_2H_5-O-C_2H_5$ ,  $CH_3-O-CH_2-CH_3$

# Introduction:

1/ ALCOHOL:  $[R-\overset{\cdot\cdot}{\underset{||}{O}}-H]$  hydroxy derivatives of aliphatic HC

सामान्य सूत्र:  $C_nH_{2n+1}OH$  or  $C_nH_{2n+2}O$

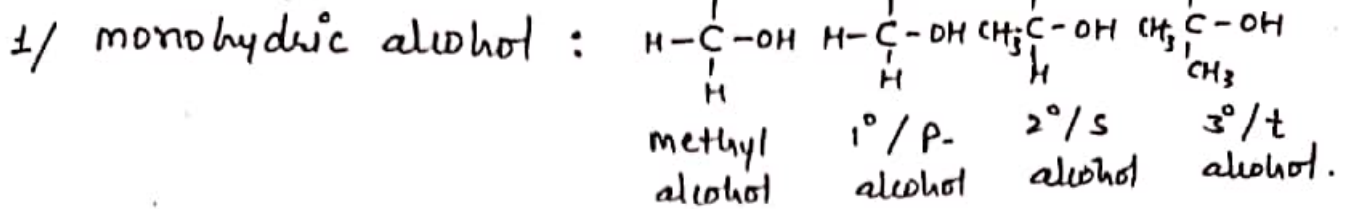
प्रथम सदस्य:  $CH_3OH$  कार्बिनॉल

2/ Phenol:  $[Ar-\overset{\cdot\cdot}{\underset{||}{O}}-H]$  hydroxy derivatives of aromatic HC

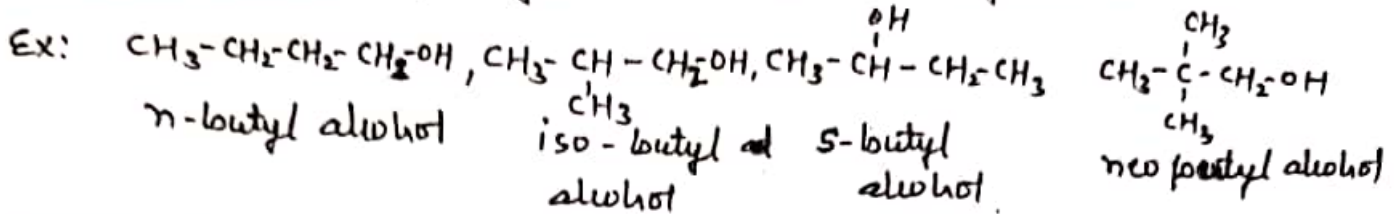
सामान्य सूत्र:  $C_6H_5-OH$  या  $C_6H_6O$ , जनक:  $\begin{matrix} OH \\ | \\ \text{C}_6\text{H}_5 \end{matrix}$

3/ Ether:  $[R-\overset{\cdot\cdot}{\underset{||}{O}}-R]$  alkoxy derivatives of aliphatic HC/aromatic HC

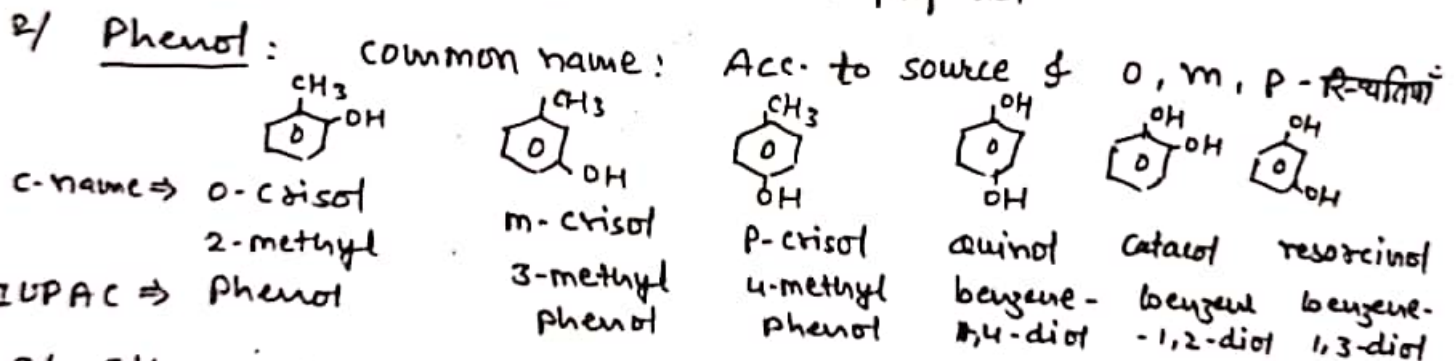
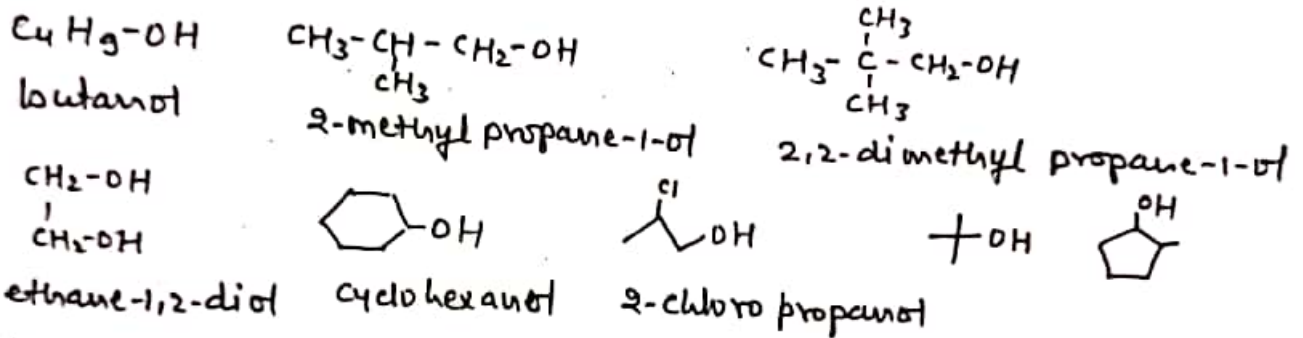
# # Naming :-



Common name : [alkyl + alcohol] ⇒ alkyl alcohol

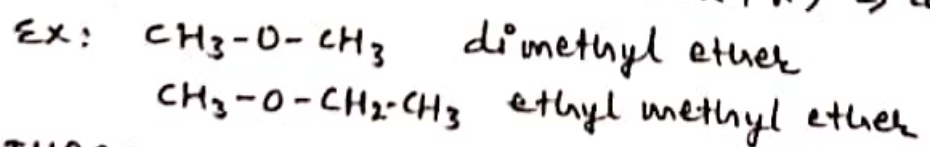


IUPAC name : [alkane + ol] ⇒ alkanol

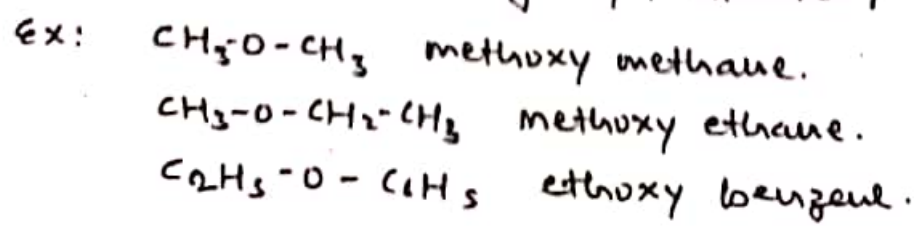


## 3/ Ether : [R-O-R']

Common name → सरल द्वार (R=R') ⇒ dialkyl ether  
मिश्रित द्वार (R≠R') ⇒ alkyl + alkyl + ether

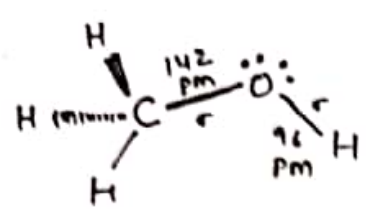


IUPAC name → alkoxy + alkane. | अथवा (A) मिल H C  
~~alkoxy + alkane.~~ | अथवा (A) alkoxy



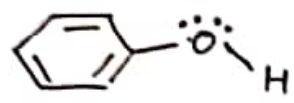
# # Structure of F.G. :

1/ Alcohol (R-OH) - [CH<sub>3</sub>-OH की संरचना:]



- # Oxygen की संकरित अवस्था sp<sup>3</sup>
- # बंधन C-OH σ सिग्मा, बंध लं. 142 pm
- # बंध कोण C-O-H : 108.9°
- # mp = 2, bp = 2
- # ज्यामिति : विकृत चतुष्फलकीय

2/ Phenol (Ar-OH) - [C<sub>6</sub>H<sub>5</sub>-OH की संरचना]



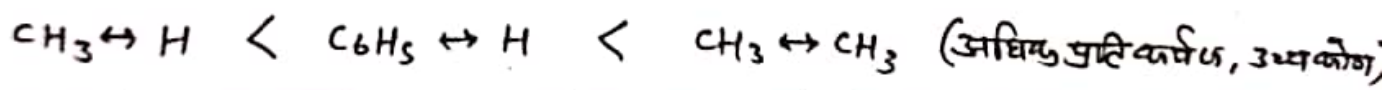
- # संकरण: sp<sup>3</sup>, बंध कोण : 109°
- # बंध लं. C-OH = 136 pm (R-OH से कम) (अनुनाद से आंशिक द्विबंध गुण बंध लं. बढ़ेगी)

3/ Ether (R-O-R) - [CH<sub>3</sub>-O-CH<sub>3</sub> की संरचना]



- संकरण: sp<sup>3</sup>, बंध कोण : 111.7° (-CH<sub>3</sub> समूहों में प्रतिस्थापन से)
- बंध लं. : 141 pm.

Note: बंध कोण में भिन्नता का कारण: प्रतिस्थापन क्रम -



## "Preparations / विरचन"

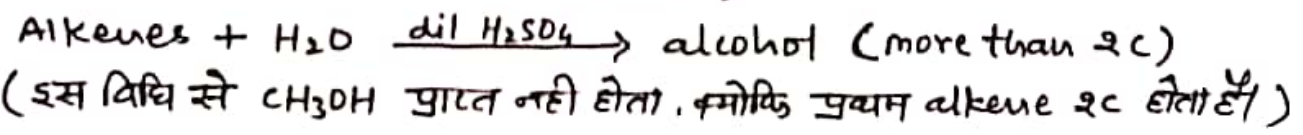
[A] Alcohol & Phenol का विरचन:-

Alcohol का विरचन:

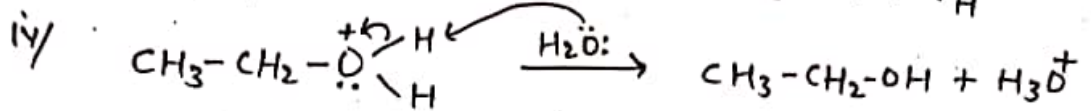
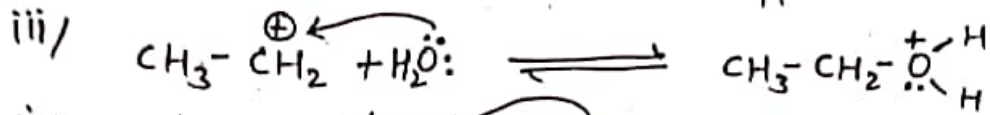
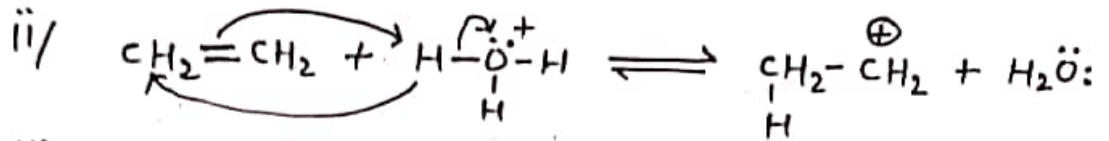
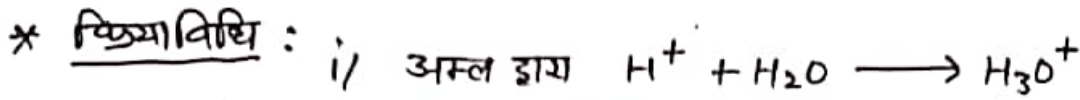
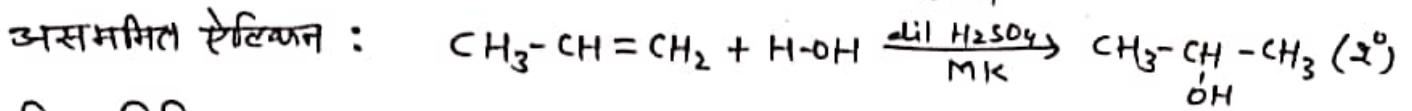
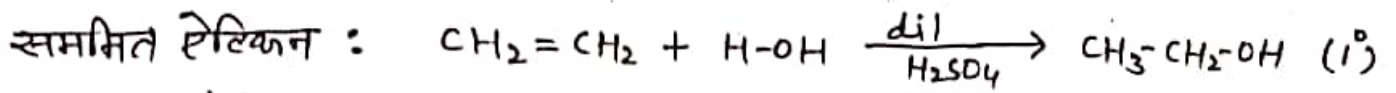
- 1/ Alkene → R-OH
- 2/ carbonyl (aldehyde/ketone) → R-OH
- 3/ Gr R (R.MgX) → R-OH

(1) ऐलिफन से -

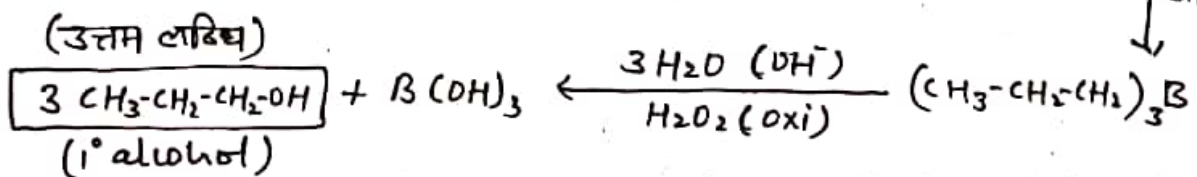
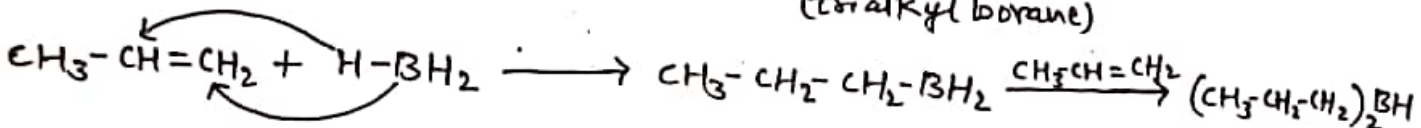
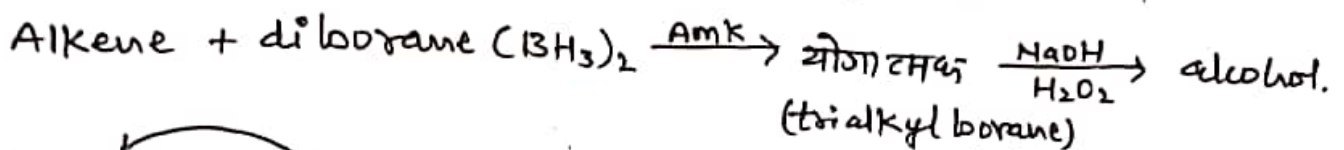
# अम्ल उत्प्रेरित जलयोजन (Hydration)



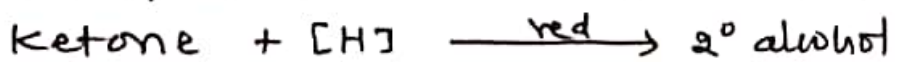
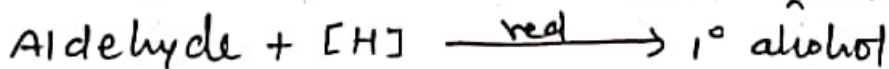
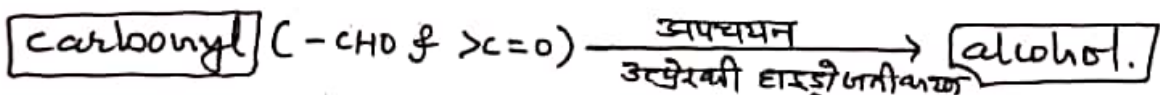




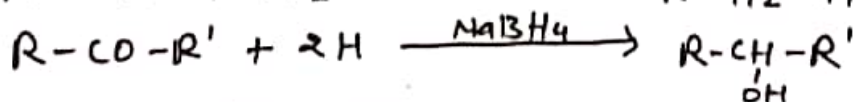
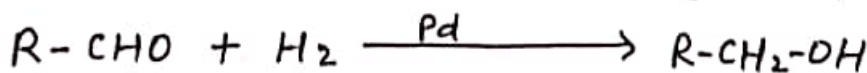
# हाइड्रो बोरोनीकरण - ऑक्सीकरण से - (HBO)



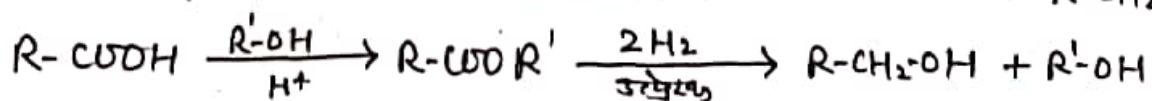
(2) कार्बोनिल यौगिक ( $-\text{CHO}$  &  $>\text{C}=\text{O}$ ) से -



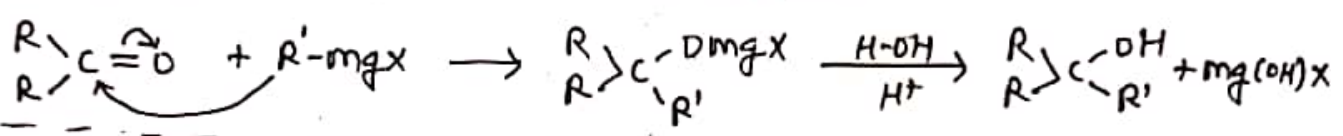
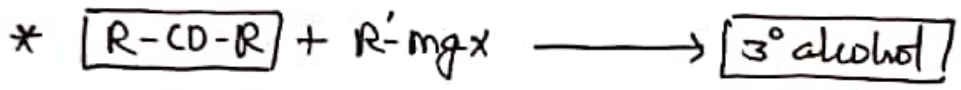
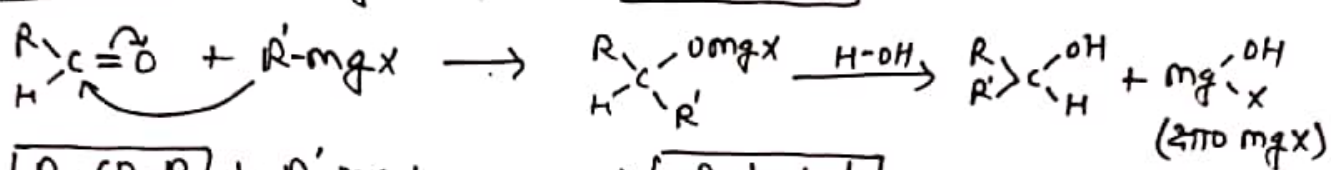
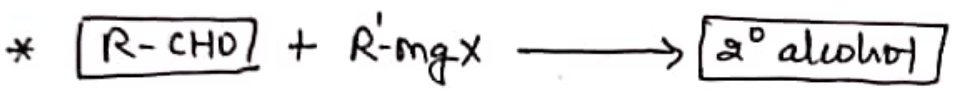
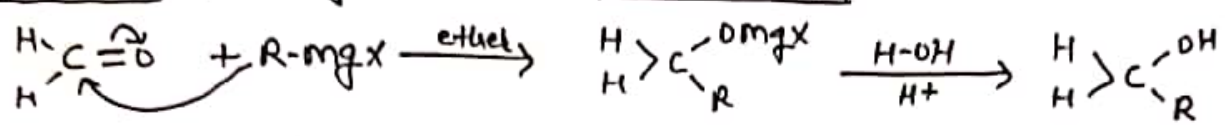
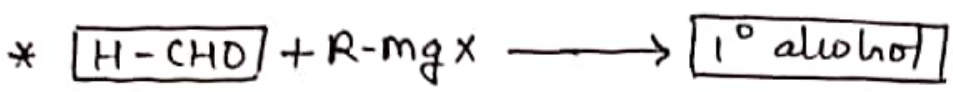
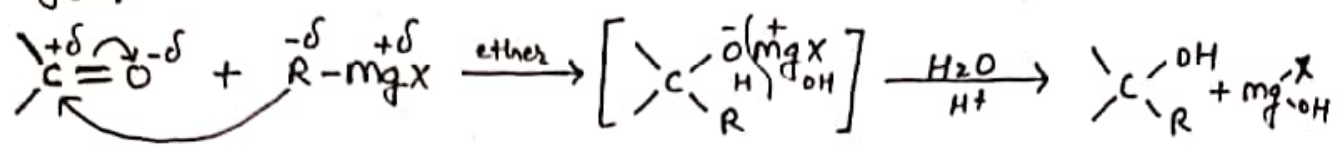
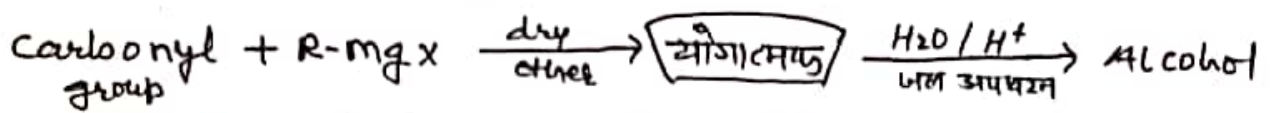
\* अपचायक :  $\text{Pt/Pd} + \text{H}_2$ ,  $\text{Na-Hg} + \text{H}_2\text{O}$ ,  $\text{LiAlH}_4/\text{NaBH}_4$ ,  $\text{Na} + \text{C}_2\text{H}_5\text{OH}$



\* carboxylic acid :  $\text{R}-\text{COOH} + 4\text{H} \xrightarrow{\text{LiAlH}_4} \text{R}-\text{CH}_2-\text{OH}$



(3) ग्रिन्यार अभिकर्मक (GR) से -

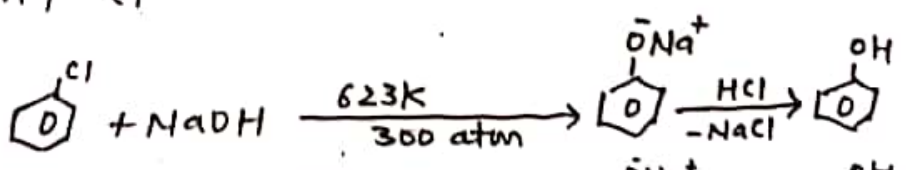


"Phenol का विश्चन"

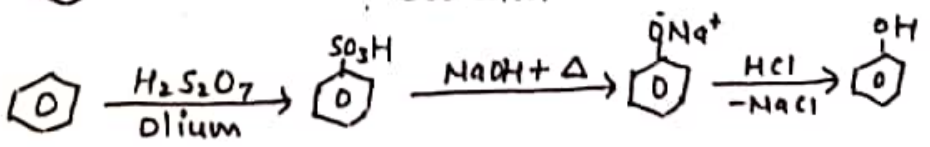
# Carboxylic Acid, सर्वप्रथम कोलतार से प्राप्त किया गया था।

- # विश्चन -
- i/ haloarene (Ar-X) से
  - ii/ Ar-SO<sub>3</sub>H से
  - iii/ डाई ऐजोमिथिल लवण - BDC से
  - iv/ क्यूमीन से

i/ Halo arene से -

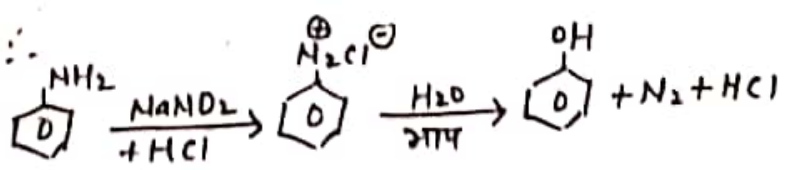


ii/ C<sub>6</sub>H<sub>5</sub>-SO<sub>3</sub>H से -

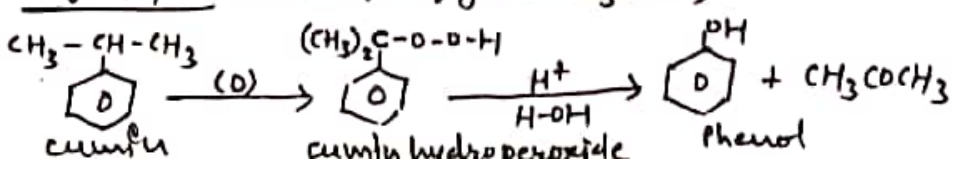


iii/ Diazonium salt से :-

(NaNO<sub>2</sub>+HCl → HNO<sub>2</sub>)  
nitrous acid



iv/ क्यूमीन से : (Isopropyl benzene)



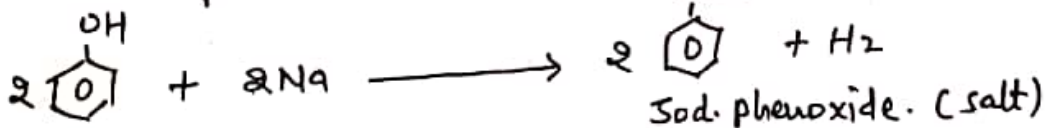
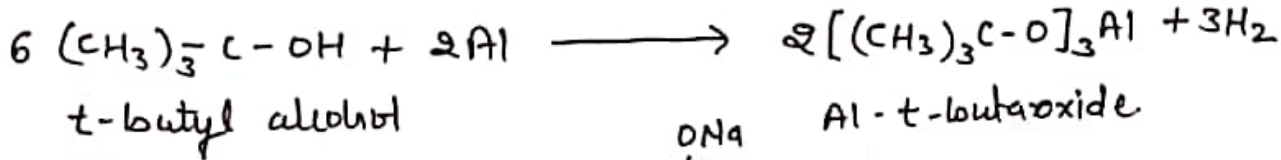
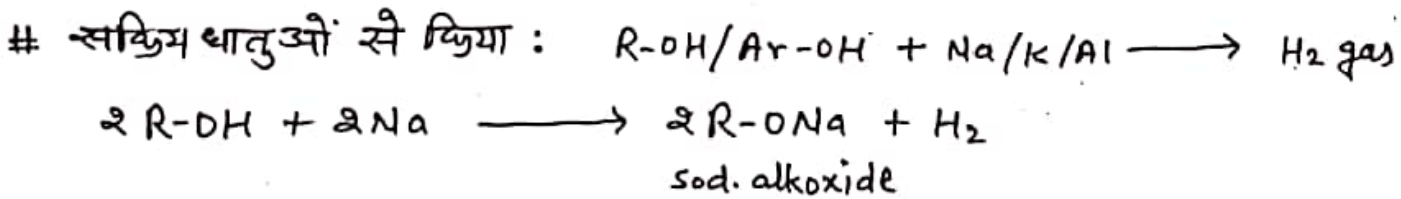




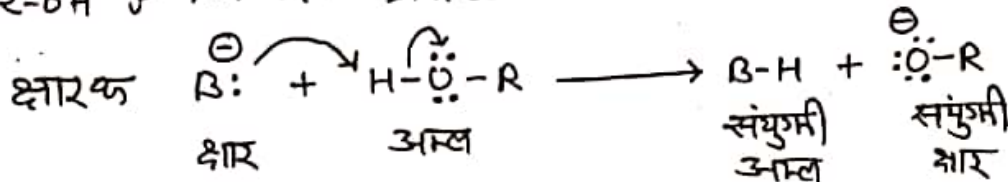
R-OH अभिक्रियाएँ: (A)  $\text{-}\overset{\ominus}{\text{C}}\text{-OH}$  विदलन अभि०

(4)

1/ alcohol तथा Phenol की अम्लीयता :-



Note: R-OH & Ar-OH ब्रॉसैट जैसी अम्ल हैं। (H<sup>+</sup> देता) जैसे -



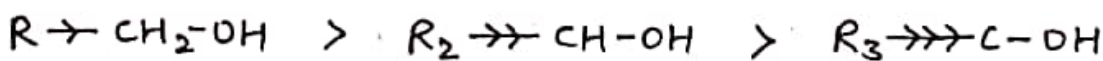
# Alcohol में अम्लता -

⇒ O-H आबंध की ध्रुवणता के कारण alcohol H<sup>+</sup> त्यागकर अम्लीय व्यवहार दर्शाते हैं।

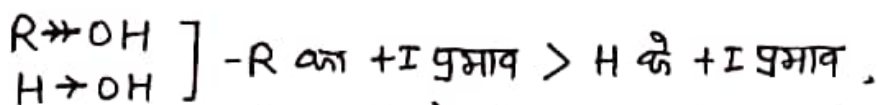
⇒ Alcohol में -R समूह का +I प्रभाव (इलेक्ट्रॉन देता/विमोचक) ऑक्सीजन पर e<sup>-</sup> घनत्व बढ़ाता है अतः O-H ध्रुवणता घट जाने से H<sup>+</sup> का निष्कासन कठिन एवं अम्लीयता भी कम हो जाती है।

⇒ alkyl group (R) ∝ O पर e<sup>-</sup> घनत्व ∝  $\frac{1}{\text{O-H ध्रुवणता}}$

⇒ O-H बंध ध्रुवणता ∝ अम्लीय सामर्थ्य



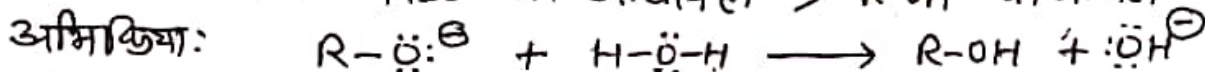
⇒ alcohol, जल की अपेक्षा दुर्बल अम्ल होते हैं - आवश्यक अभि०

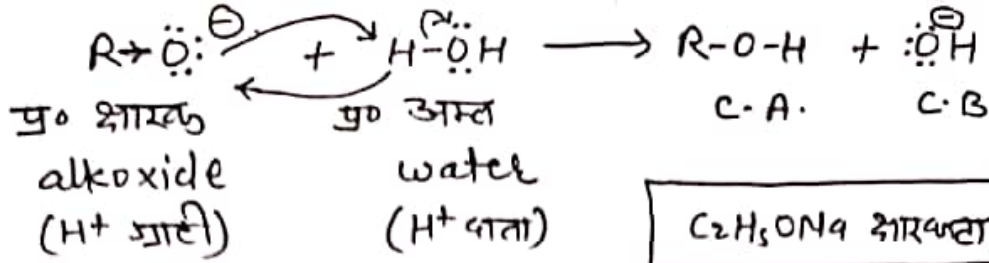


O-H आबंध ध्रुवणता:  $\text{R-OH} < \text{H-OH}$

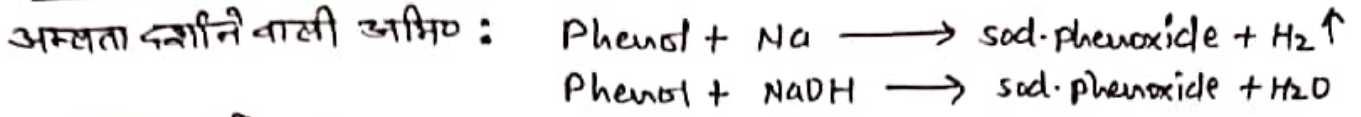
H<sub>2</sub>O, R-OH की तुलना में H<sup>+</sup> निष्कासन आसान

कृता: H<sub>2</sub>O की अम्लीयता > R-OH की अम्लीयता

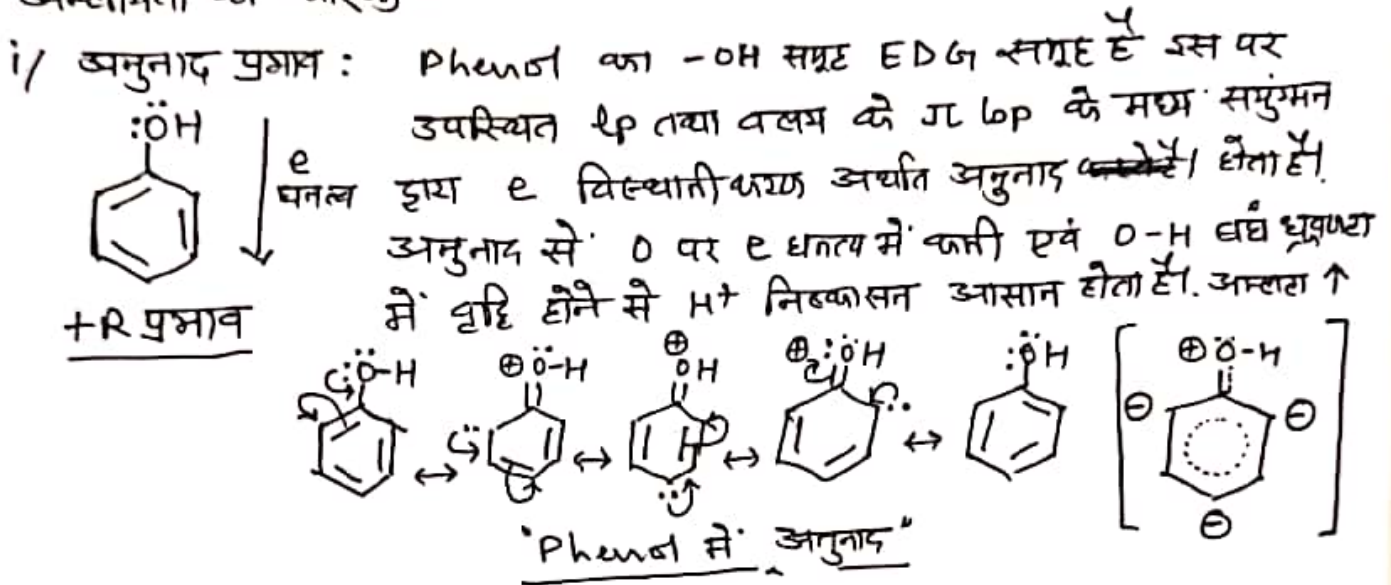




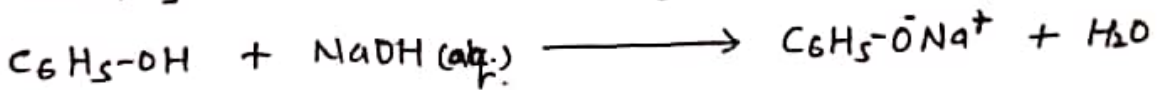
### # Phenol की अम्लीयता -



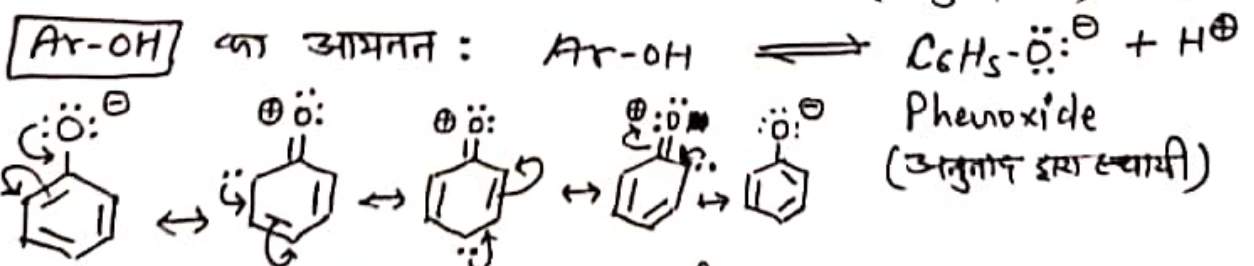
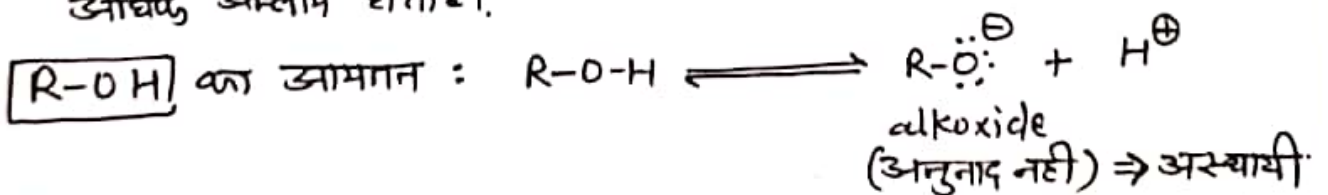
अम्लीयता के कारण -



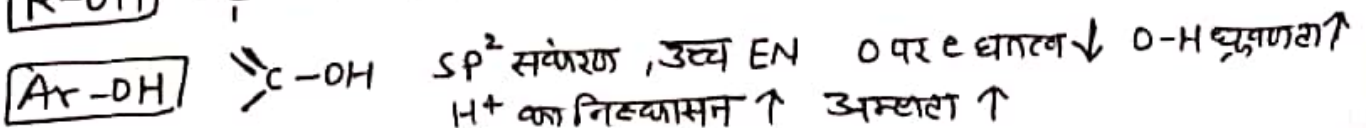
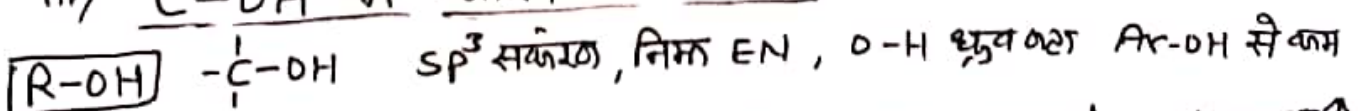
# Phenol, alcohol तथा प्ल से प्रबल अम्ल है।



# Aromatic वलय से जुड़ा -OH समूह, -R से जुड़े -OH समूह से अधिक अम्लीय होता है।

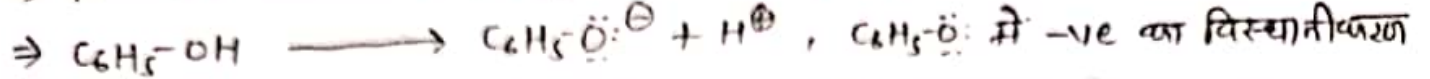
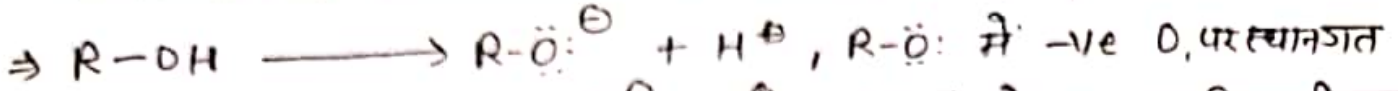


iii/ C-OH में कार्बन का संयोजन -





# alkoxide, से phenoxide ion अधिक ल्यागी है।



⇒ Phenoxide में e का विस्थापक इसके आयतन को सरल/जसान कर देता है अतः phenoxide की अपेक्षा alkoxide अस्थागी होता है।

# Phenol की अपेक्षा phenoxide अधिक ल्यागी है।

⇒ Phenoxide में अणुता इस आवेश (-ve) का विस्थापक

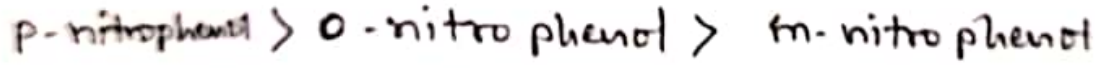
Phenol में अणुता इस आवेश का पृथक्करण हो जाता है।

iii/ I प्रभाव : Phenol ⇒ -C<sub>6</sub>H<sub>5</sub> का -I प्रभाव ⇒ O-H दृढ़ता ↑ अम्लता में वृद्धि  
Alcohol ⇒ -R का +I प्रभाव ⇒ O-H दृढ़ता ↓

# Phenol की अम्लता पर प्रतिस्थापी का प्रभाव :

a/ इले० आकर्षि/अपतक सरुए (-I या -R प्रभाव) ⇒ अम्लता में वृद्धि

Ex: -NO<sub>2</sub>, -Cl ऐसे सरुए phenoxide में प्रभावी आवेश विस्थापक करते हैं। यदि ऐसे सरुए बलम पर O के P पर अस्थित हो तो अम्लता में अधिक वृद्धि होगी है।

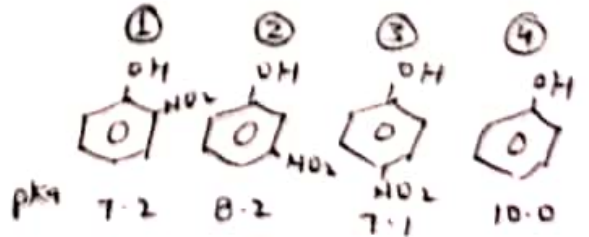


b/ इले० प्रतिवर्षी/विमोचक/EDG (+I/+R वाले) ⇒ अम्लता में कमी

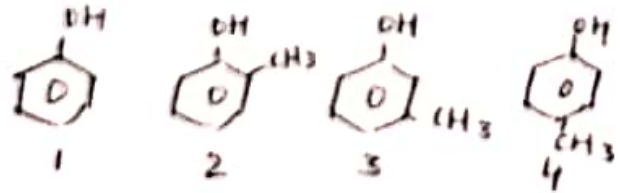
Ex: -CH<sub>3</sub>, -OH, -C<sub>2</sub>H<sub>5</sub> ये Phenol के आयतन में बाधक



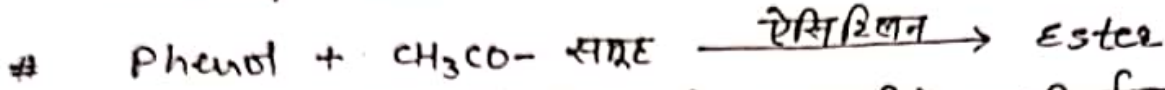
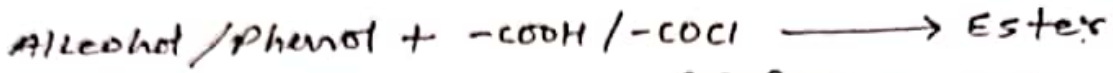
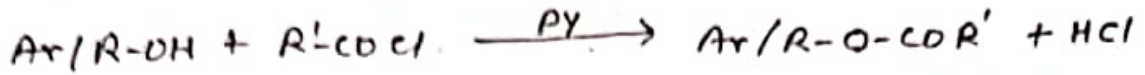
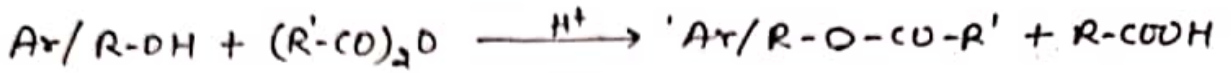
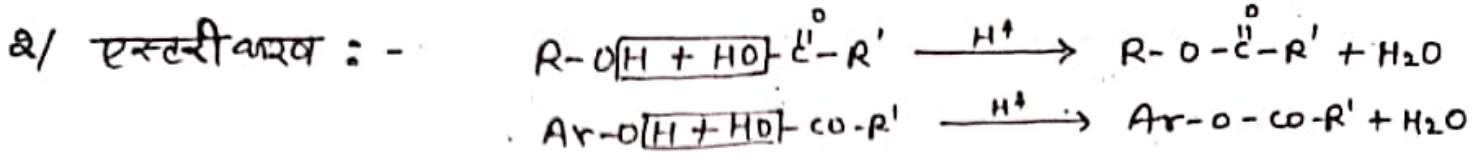
# [pKa का मान ∝ 1/अम्लता]



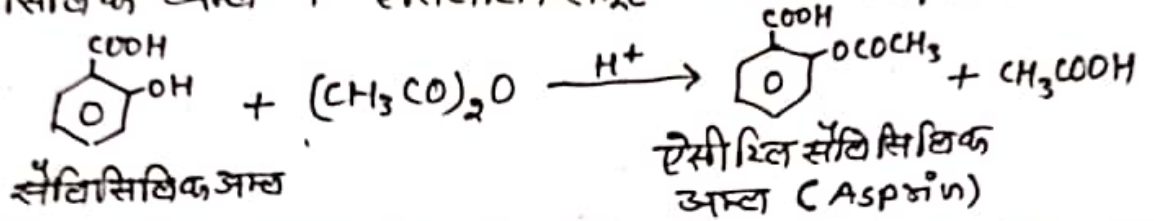
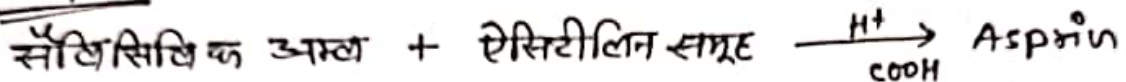
अम्लीय सामर्थ्य : 4 < 2 < 1 < 3



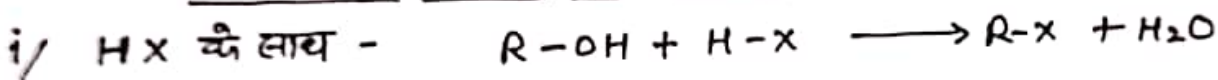
अम्लीयता श्रम : 1 > 3 > 2 = 4



# Aspirin (पीड़ाहारी, बुखानाबी, ज्वरमाबी) का निर्माण -

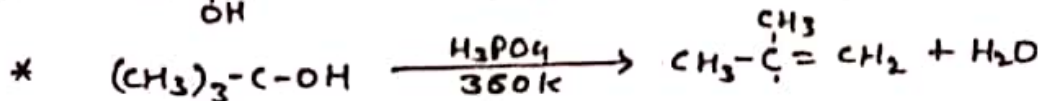
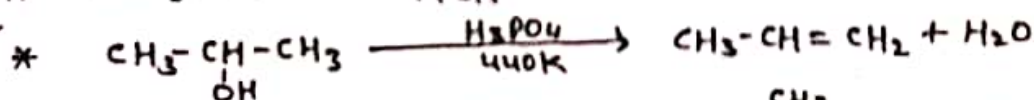
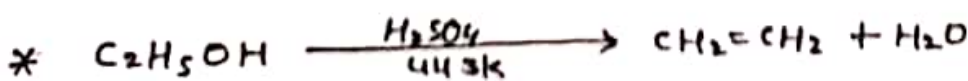
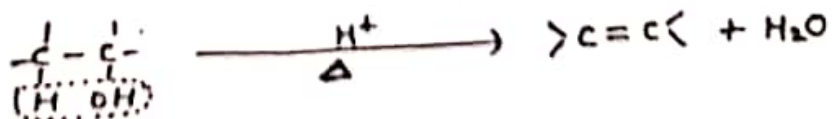
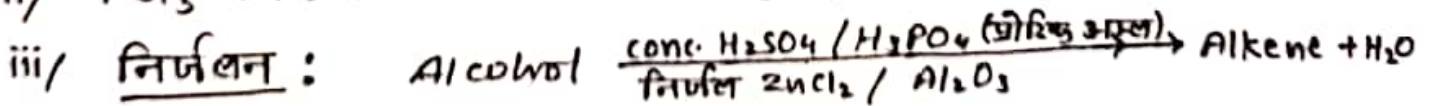
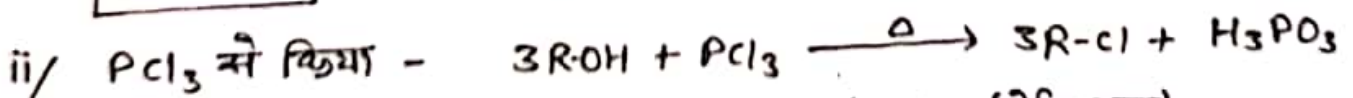
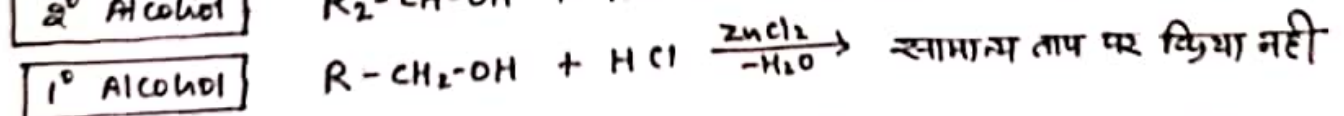
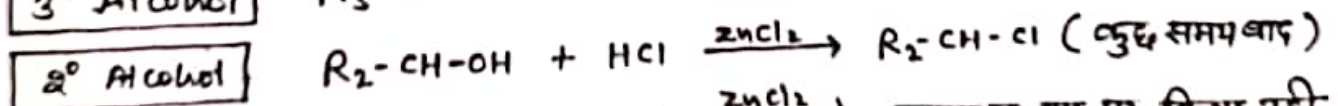
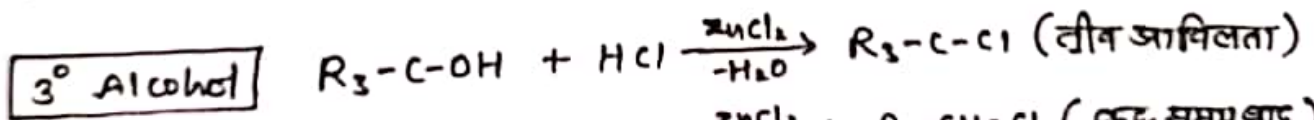


(B) C-O आबंध विदलन अभिः (केवल R-OH)



\* R-OH की HCl के प्रति क्रियाशीलता के आधार पर ऐल्कोहो में विभेद -

\* ल्यूकास परीक्षण Lucas अभिकर्मक = सांद्र HCl +  $ZnCl_2$  (dry)  
 [R-OH, Lucas Rq में विलेय जबकि R-X अविलेय]



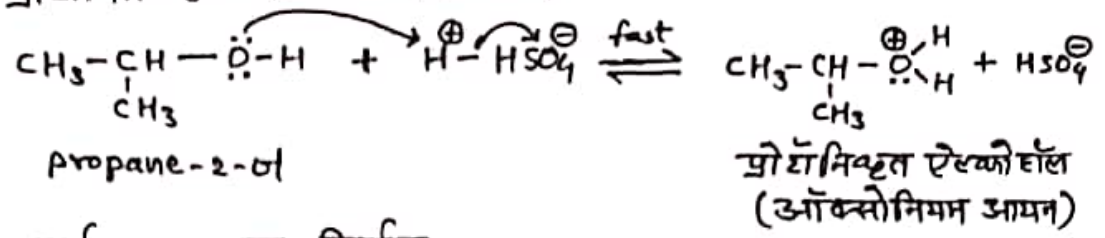
R-OH निर्जलन क्रम

$3^\circ > 2^\circ > 1^\circ$

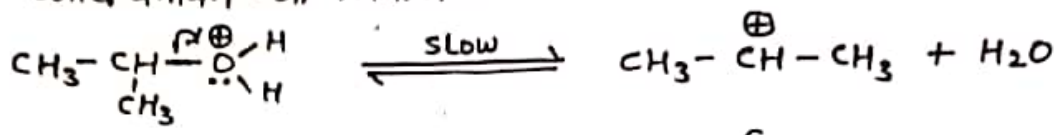
$C^+$  स्थायीत्व अनुसार

# Propane-2-ol के निर्जलन की क्रिया विधि :

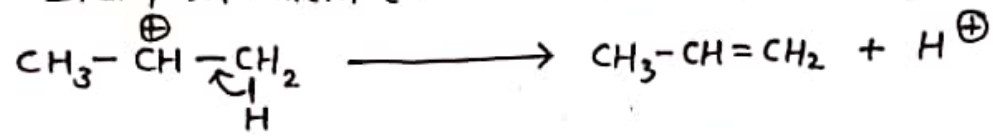
पद - 1 प्रोटॉनित ऐल्कोहॉल का निर्माण



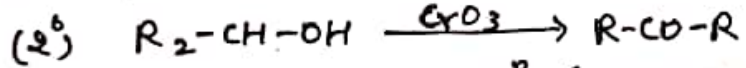
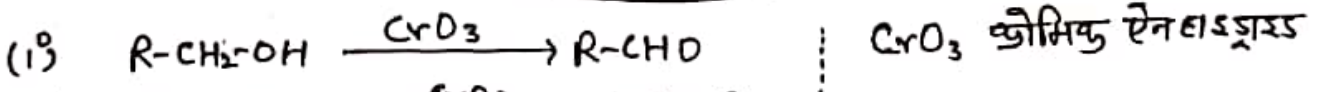
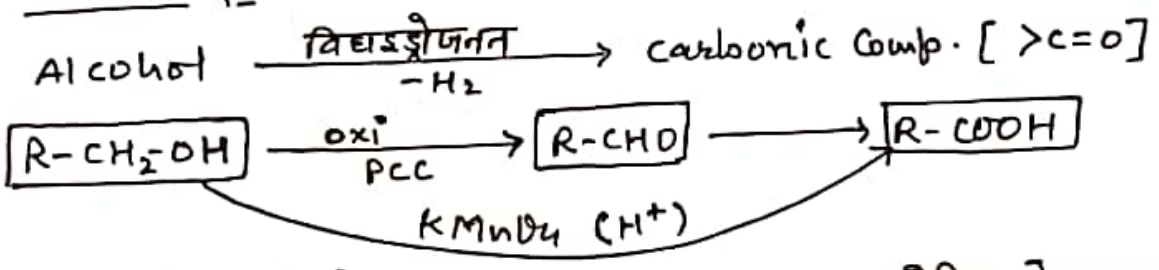
पद - 2 कार्बधनायन का निर्माण -



पद - 3 प्रोटॉन निष्कासन एवं alkene का निर्माण -



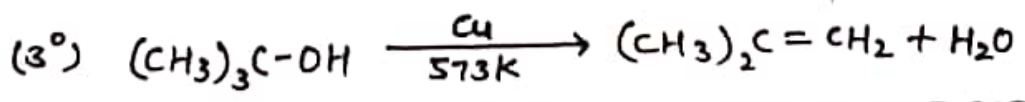
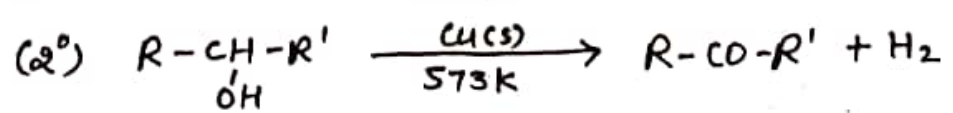
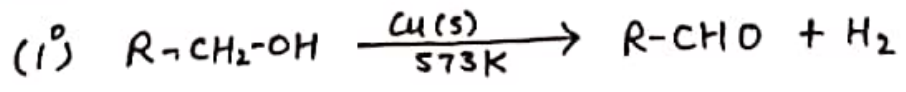
iv/ ऑक्सीकरण - (O-H तथा C-H बंध विदलन)



(3°) alcohol  $\Rightarrow$  NO OXI° (परन्तु प्रबल ऑक्सिदायरक  $\text{KMnO}_4$  + ताप पर संभव)

Note : प्राथमिक ऐल्कोहॉल के ऑक्सीकरण से R-CHO की लब्धि (मात्रा) ज्यादा प्राप्त करने के लिए PCC (पीरिडिनियम क्लोरो क्रोमेट) अभिकारक उपयोगी

# विद्युत्प्रोक्षणीकरण :- alcohol  $\xrightarrow{\text{Cu(s)}}$  R-CHO / R-CO-R / alkene.



Note : methanol & ethanol  $\xrightarrow[\text{oxi}]{\text{ऑक्सिड}} \text{aldehydes} \rightarrow \text{acid}$ .

$\Rightarrow$  methanol मिश्रित ethanol के सेवन से : methano  $\rightarrow$  methanal  $\rightarrow$  aci (विगुणित / विषुल)

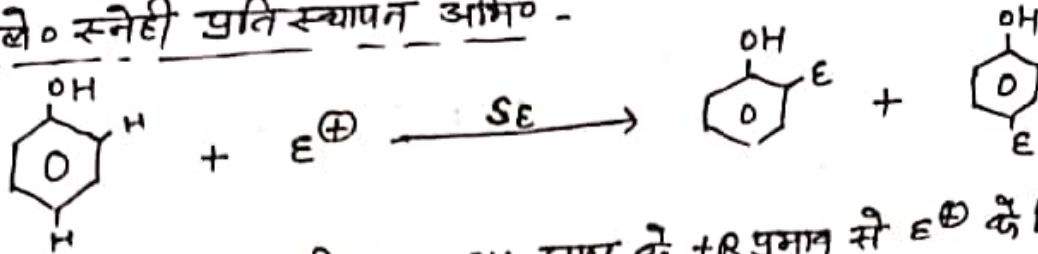
$\Rightarrow$  प्रभाव : अंधता, मृत्यु

$\Rightarrow$  उपचार : diluted ethanol (intoxa vessel)

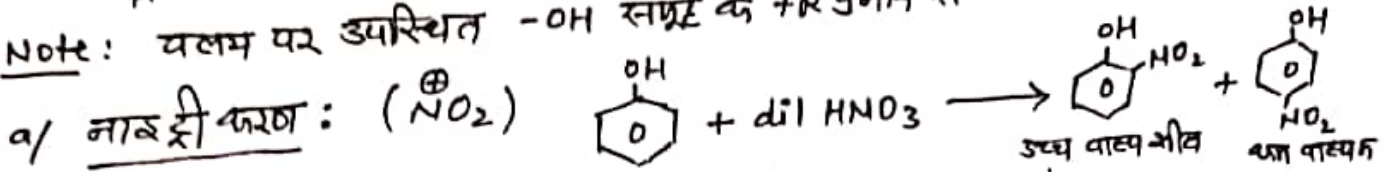


# # Phenol की अभिक्रियाएं

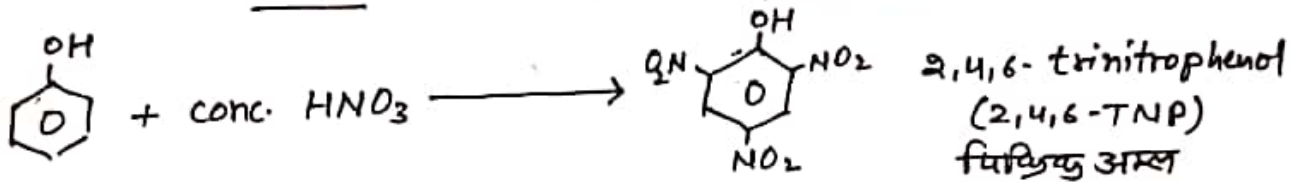
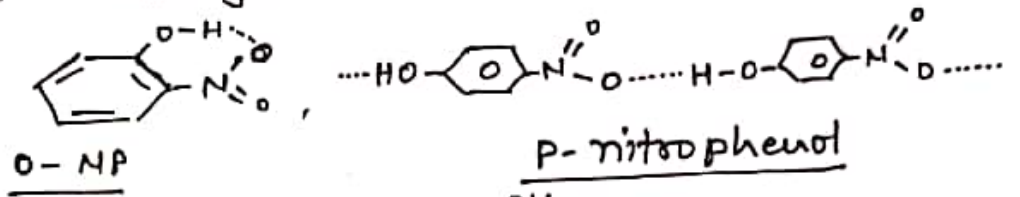
1/ रले ० स्नेही प्रतिस्थापन अभि० -



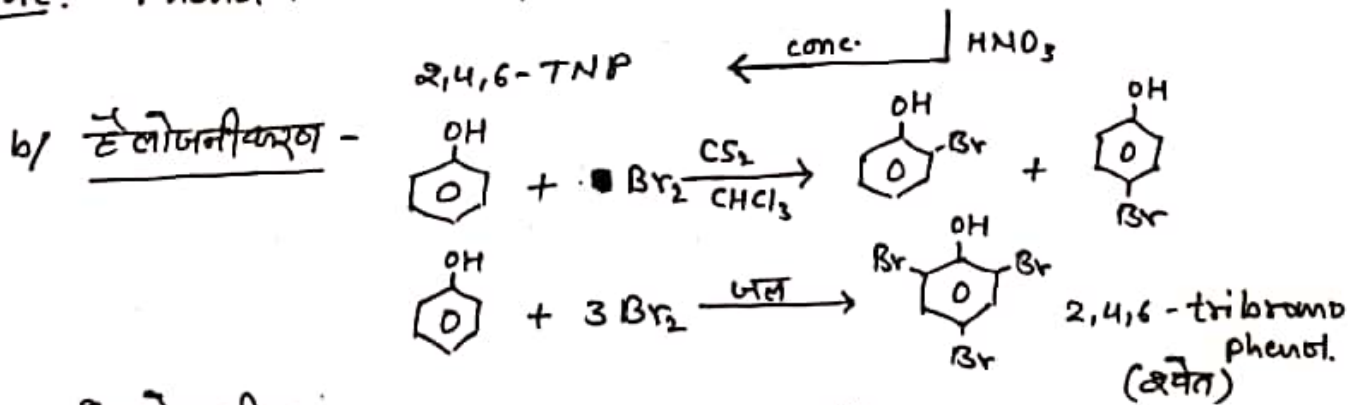
Note: चलय पर उपस्थित -OH समूह के +R प्रभाव से  $E^+$  के लिए O-P निर्देशी



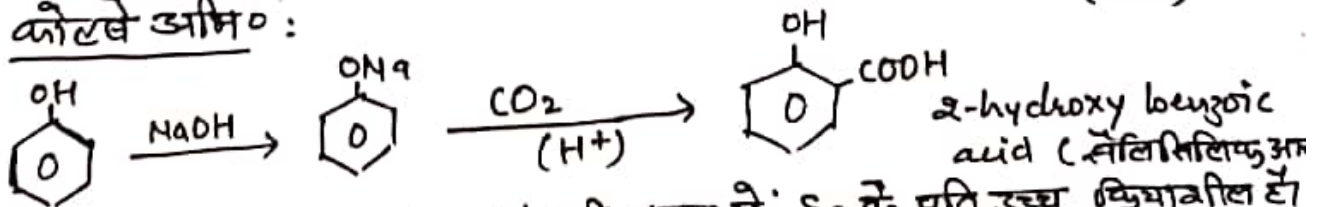
Note: O-NP अंतःअणुक H-bond भाप से वाष्पित ]- प्रमाणी आसक्त से घृथक  
 P-NP अंतःअणुक H-bond न्यून वायुशील ]



Note: Phenol + conc.  $H_2SO_4 \xrightarrow{\Delta}$  Phenol-2,4-disulphonic acid

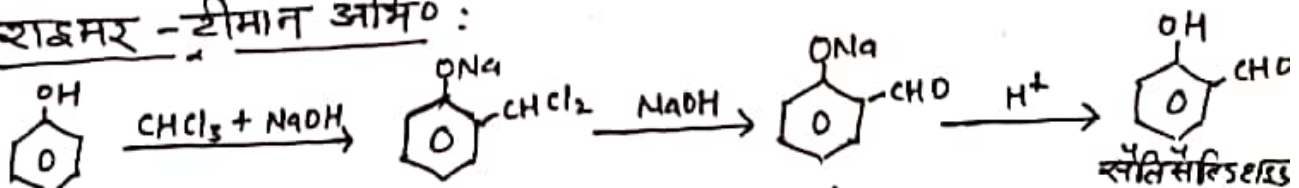


2/ कोल्वे अभि०:

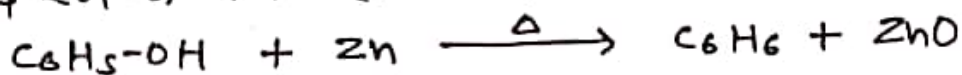


Note:  $C_6H_5ONa$ , phenol की तुलना में  $S_E$  के प्रति उच्च प्रियाशील है

3/ राइमर - टीमान अभि०:



4/ यशद रज के साथ: (Phenol + Zn dust)









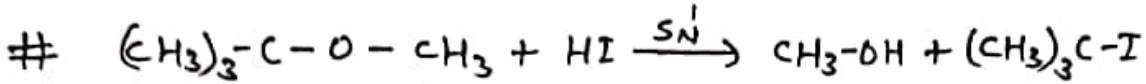
# इंधर : शशा० अभिक्रियाएँ :

(8)

1/ C-O बंध विदलन अभि० -

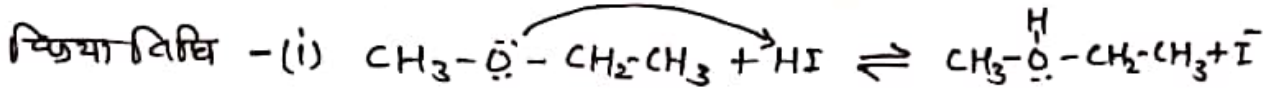
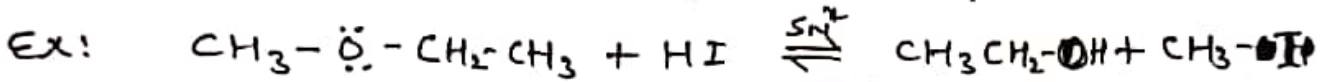


Note: HX की क्रियाशीलता क्रम: HI > HBr > HCl



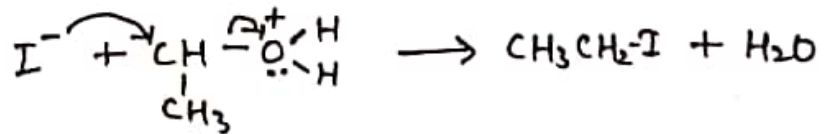
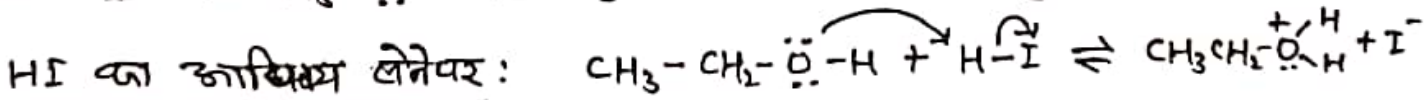
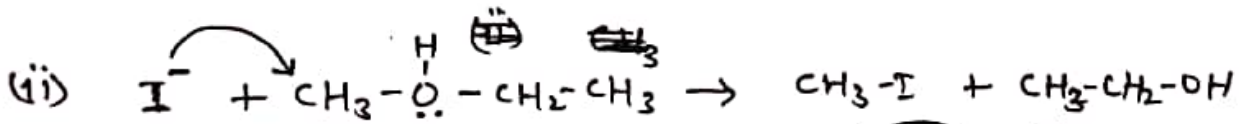
Note: small R सग्रह  $\rightarrow$  R-OH  
 Large R सग्रह  $\rightarrow$  R-X ] - (मिश्रित इंधर द्वारा)  
 3° घुल R सग्रह

Ether में -OCH<sub>3</sub> सग्रह का माता कक आकलन करने में उपयोगी।  
 इस विधि को भीखल विधि कहते हैं।

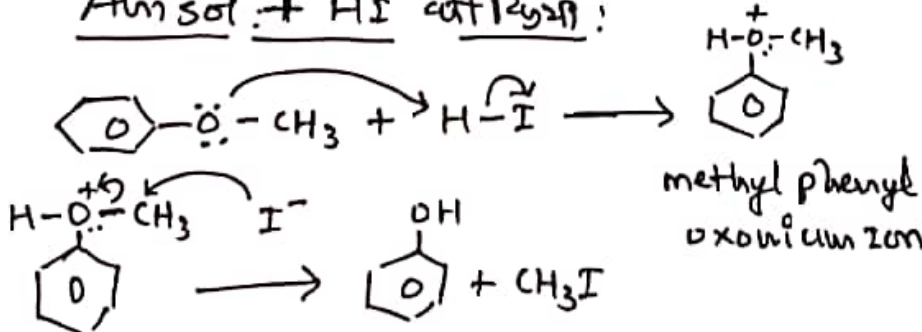


प्राथमिक व द्वितीयक R सग्रह होने पर small

R सग्रह R-X देता है। (S<sub>N</sub> अभि०)



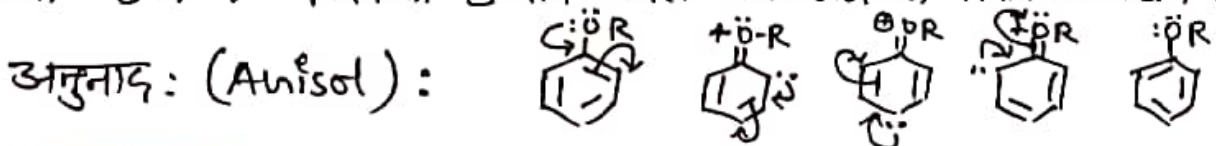
# Anisole + HI की क्रिया:

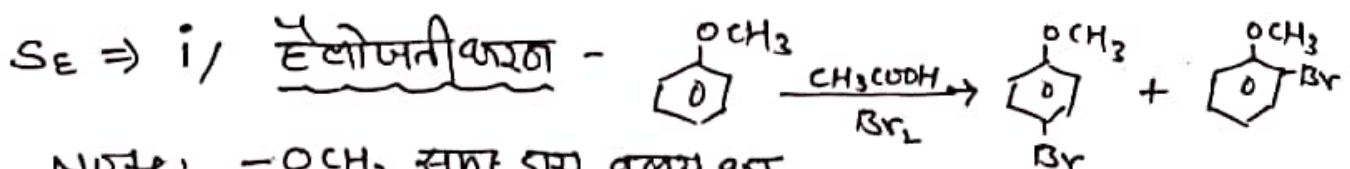


[  $C_{sp^2}-O$  आंशिक द्विबंध गुण ]

[ O-CH<sub>3</sub> बंध weak  
 O-C<sub>6</sub>H<sub>5</sub> बंध strong ]

2/ इलेक्ट्रॉन स्नेही प्रतिक्रिया अभि०  $\Rightarrow$  Aromatic Ether में -OR सग्रह का O & P निर्देशी प्रभाव अतः Phenol के समान ही वलय S<sub>E</sub> देता है।





NOTE:  $-\text{OCH}_3$  समूह का बल्य का सक्रियण ही जाता है। अतः LA p-bromo anisole (90%)  $\text{FeBr}_3$  की आवश्यकता नहीं होती है।

ii/ फ्रीडल क्रॉट अभि -

